पाठ ५५

1. फरिसीसबब यिशुके काहे घृणा कइल ?
    - काहेकि यिशु ओकुनीसबके आपन उद्धारकर्ता बा कहलन ।
2. फरिसी अउरो कउन कारणसे यिशुके घृणा करेला ?
    - काहेकि यिशु ओकुनीसबके कहलन कि ओकुनीसब पापी बा आ यदि ओकुनीसब पश्चात्ताप ना कइल त परमेश्वर ओकुनीसबके दण्ड दिएला ।
3. अउर का कारणसे यिहुदीसब यिशुके घृणा कइलन ?
    - काहेकि बहुत आदमीसब यिशुके पछ्र्यावेला वइसन कारणसे फरिसीसब यिशके डाह कइल ।
4. यदि यिशु परमेश्वरके एगो सिर्फ वचन उलंघन कइला त फरिसीसब कथी करेवाला रहे ?
    - ओकुनीसब यिशुके निन्दा कइलाके मारेवाला रहे ।
5. का यिशु एगो वचन उल्लंघन कइल ?
    - ना ।
6. यिशु काहे एगो सिर्फ वचन उलंघन ना कइल ?
    - काहेकि यिशु सिद्ध बारन ।
    - काहेकि यिशु पापरहित बारन ।
    - काहेकि यिशु पिता परमेश्वरके वचन पालन कइल ।

- काहेकि यिशु परमेश्वरके वचन पालन कइल वहां फरिसीसबके वचन पालन ना कइल ।

7. यिशु काहे फरिसीबके कहेला ना मानलक ?
    - काहेकि फरिसीसब परमेश्वरके वचन परिवर्तन करेला ।

8. फरिसी सब कइसन परमेश्वरके वचन परिवर्तन करेला ?
    - फरिसीसब परमेश्वरके आज्ञामे अपन नियम थपेला ।
    - जब फरिसीसब ओकुनीसबके आपन नियम परमेश्वरके नियममे थपल त ऊ लोग परमेश्वरके वचन झूठ बनावेलाके कोसिस करेला ।
    - फरिसीसब परमेश्वरके वचनमे थपेला दोसर नियम रहे कि शबाथके दिनमे कउनके भि कउनो ठीक भेलाके आज्ञा दिएके नइखे परी ।

9. यिशु काहे फरिसीसबसंगे ना निमन भेगेला ?
    - काहेकि यिशु फरिसीसबके हृदय कठोर बनादेलन ।

10. ओकुनीसबके हृदय कठोर बा कहे बात यिशुके कइसन थाहा रहे ?
    - काहेकि यिशु हरेक आदमीके हरेक हृद्य जाँच कर सकेला ।
    - काहेकि यिशुके हरेक आदमीके हरके हृदय थाहा रहे ।

11. यिशु ऊ आदमीके उपचार करेलाके फरिसीसबके कथी कइलन ?

- फरिसीसब सभाघरसे बाहर जा के आ यिशुके कइसन मारदेअन कहके षड्यन्त्र कइलन ।

12. जब भूतसब यिशुसे मिलल त ओकुनीसब कथी कहलन ?
    - ओकुनीसब वहांके परमेश्वरके बेटा कहलन ।
13. भूतसब काहे यिशुके परमेश्वरके बेटा कहलन ?
    - काहेकि भूतसबके यिशु पिता परमेश्वरसे आएला कहके थाहा रहे ।
14. भूतसब अपनेके यिशुके विश्वास करो कहके काहे ना चाही ?
    - काहेकि ओकुनीसब अपनेके आपन शक्ति ह्रास भइला बात ना मानलन ।
15. वहांके पछ्यावे आदमीसबमेसे यिशुके केतनाके वहांके चेला बनालके बिनलन ?
    - बाह्र जना ।
16. ऊ बाह्रजने आदमी का कहलाइल ?
    - प्रेरित ।

- आपन १२ चेलासब चुनगेलाके बाद यिशु आदमीसबके शिक्षा दिएवेके जारी रखलन ।

मर्कुस ४:१ पद पढलजाइ

यिशु फिर झिलके किनारे उपदेश देवे लगलन । अउर अइसन बडभिड उनकरालगे इकठ्ठा भइल कि ऊ झीलमे एगो नाउ चढके बैठ गइल । अउर सब भीड किनार पर खडा रहे ।

- भीडके कारणसे यिशु झिलमे एगो नाउमे बैठगेल ।

- यिशु नाउमे बैठके शिक्षा देलन आ आतमीसब किनारमे बैठके सुनलन ।

मर्कुस ४:२ क पढलजाइ

अउर ऊ दृष्टान्तमे ऊ लोगके बहुत बात सिखावे लगलन ।

- यिशु आदमीसबके दृष्टान्तमे शिक्षा देलन ।

1. दृष्टान्त कथी ह ?
    - दृष्टान्त अइसन कथा बा जउन परमेश्वरके सत्य बतावेला ।
2. येशु कहे आदमीसबके दृष्टान्तमे शिक्षा देवेलालु ?
    - यद्यपि बहुत आदमीसब यिशुके पछ्यावेला लेकिन ओकुनीसब मे से बहुत लोग वहामे विश्वास नइखे करी ।
    - यद्यपि बहुत लोग यिशुके पछ्यावेला लेकिन ओकुनीसब मे से वहुत लोग वहांके शिक्षामे विश्वास नइखे करी ।
    - बहुत लोग वहां रोगीसब ठीक पारदेलन देख कर यिशुके पछ्यावेला लेकिन ओकुनीसब वहांके शिक्षामा विश्वास नइखे करी ।
    - यिशु दिक्षा देवेलालु वहां आदीसबके एगो दृष्टान्त कहलन ।
    - यिशु आदमीसबके बीज रोपेवालाके दृष्टान्त कहलन ।

मर्कुस ४:२ख-१२ पढलजाइ ।

अउर अपना उपदेशमे कह लगलन एगु बोवेवाला बिया बोएखातिर निकलल अउर ऊ विया कुछ रास्ताके गिरल

आ चिरैया ओकरा खालिया लिस । अउर कुछ पथरिलि जमिनपर गिलर जहां ओकराके ढेर माटी ना मिलल अउर गहिरा माटी ना मिलाके कारण जल्दी उगाइल अउर जब सुरज निकलल त उ जरगइल अउर जड ना पकडलाके कारण ऊ सुखगइल । अउर कुछ पतवारमे गिरल अउर खरपतवार बढके ओकराके दबादेल । अउर एकरीकाण फल ना लियाइल । बाकी कुछ निमन जमिनमे परल अउर बढके फिर फल लेआइल । कउनो तीस गुना कउनो ६० गुना अउरो कउनो १०० गुना फल ल्याइल ।

अउर यिशु कहलन जे वयर ना हो खे ऊ सुनले हो । जब ऊ अकेले रहगले त जउन लोग दृष्तान्ट सुनले रहेले अउर उनकर चेलालोग ऊ दृष्टान्तके बारेमे पुछले । ऊ वह लोगसे कहलन । तुमलोगके परमेश्वरके राजके भेदके बारमे कहदेगइल बा । बांकी बाहिरी लोगन खातिरबात दर्ष्टान्तमे होला । एहसे ऊ सब देखत बाडन स । लेकिन लौकत नइखे । सुन त बाडन स लेकिन समझमे नइखे आवे । अइसन ना हो खे कि ऊ लोग परमेश्वरके ओरि फिरल अउर उन लोगके पाप माफ कइल ।

- यिशुमे विश्वास ना करेवाला आदमीस वहां दृष्टान्तमे कहेवाला बात ना समझलन ।

- लेकिन येशुमे विश्वास करेवाला आदमीसब चाहिं वहाके बात समझलन ।
- यदि अपनेके सत्य थाहा बा त परमेश्वर अपनेके सिखावेला ।
- यदि अपनेके सत्य समझनेके इच्छा ना त परमेश्वर अपनेके ना सिखावेला ।
- जब यिशुके चेलासब ऊ दृष्टान्तके अर्थ पुछलन त वहां अइसन जवाफ देलन ।

  मर्कुस ४:१३-१४ पढलजाइ

  फेर ऊ व लोगसे कहलन का तुलोग इ दृष्टान्त नइखेल सम्झ त फिर अउर सब दृष्टान्त कइसे समझबा जा ? वोएवाला बचन वोएला जउन रास्ताके किनारे जहां वचन वोअलजाला ।

3. बीया कथी ह ?
   - बीज परमेश्वरके वचन ह ।
4. बीया बोएवाला कउन बा ?
   - परमेश्वरके वचन जउन सिखावेला ऊ बीया बोएवाला बा ।
   - यिशु कहलन कि जइसन बीच रोपेवाला के माटी अलग अलग होवेला वइसने परमेश्वरके वचन रोपेके निमित्त आदमीसबके हृदय भि अलग अलग रहेला ।
   - यिशु कहलन कउनो आदमीके हृदय राह जइसन बा ।

मर्कुस ४:१५ पढलजाइ

जहाँ वचन वोएजाला ऊ यि ह जहां वचन उनहनीक सुनावलगइल त सैतान तुरन्तै आ के वचन जउन नकरालोगमे बोल रहे उठा लेजाला ।

5. राहके माटी कइसन रहे ?
   - बहुत ना निमन ।
6. यि काहे बहुत ना निमन रहे ?
   - काहेकि बहुत लोग राहमे चलेला ।
7. अगर किसान लोग कडा माटीमे बीज रोपेला त का ऊ फल दिवेला ?
   - ना ।
8. काहे राहमे रोपेला बीज फल ना देवेला ?
   - काहेकि राह बहुत कडा होवेला ब बीज जनिमेसे ना जागेके पाएला ।
   - यिशु कहलन कि कुछ लोगके हृदय वही कडा राह जइसन रहे ।

9. कउन लोगसब ऊ राह जइसन बा ?
   - जेकराके हृदय कडा बा ।
   - परमेश्वरके वचन ओकुनीसबके हृदयमे रोपके नइखे पाइल ।
   - ओकुनीसब परमेश्वरके वचन सुनेके नइखे पाइल ।

- ओकुनीसब परमेश्वरके बात सिखावेलाके ना चाहेलु ।
- जब ऊ लोग परमेश्वरके वचन सुनेला त ओकुनीसब जल्दी हि यी बात भुलगेला ।
- ओकराके बाद सैतान आवेला आ ओकुनिसबसे परमेश्वरके वचन छिनके लिएला ।

10. का अपनेके हृदय भि अइसन डगर जइसन बा ?
    - यिशु कहलन कुछ आदमीके हृदय बालुवाला मिट्टी जइसन बा ।

मर्कुस ४:१६-१७ पढलजाइ

अउर अइरही जउन पथरीली जमिन पे वोवलजाला ऊ यि ह कि जउन वचनके सुनके तुरुन्त खुशीसे ग्रहण करले बानी बांकी अपनिभतर जड ना रखलेबाके कारण ऊ थोडै समय खातिर रहलन । एकराबाद जब वचनकेकारण उनही पर दुख अउर सतावट होवेला अउर उननीके तुरन्तै ठेस खावलस ।

11. पथरिली जमिन कइरन रहे ?
    - ऊ जमिन उतना उब्जाउ ना रहे ।
12. ऊ काहे उतना उब्जाउ ना रहे ?
    - काहेकि वहां बालु ज्याता रहे ।
13. अगर किसान ऊ पथरिली जमिनमे बीज रोपेला त का ऊ फल दिएला ?
    - ना ।

14. पथरिली जमिनके बीच काहे फल ना दिएला ?

- काहेकि ऊ उब्जाउ ना होवेला आ माटीमे जरा अच्छा तरिकासे ना फिंजेला ।
- यिशु कहलन कि कुछ आदमीसब के हृदय अइसहे रहेला ।

15. कइसन आदमीके हृद्य अइसन जमिन जइसन बा ?

- उपर यि आदमी कहलन कि ऊ परमेशेवरमे विश्वास करेला लेकिन निचे ओ लोग विश्वास ना करेला ।
- यी आदमी कहलन कि ओकुनीसब परमेश्वरमे विश्वास करेला लेकिन जब समस्या आइल त ओकुनीसब परमेश्वरसे भागे के जावेला ।
- यी आदमीसब कहलन कि ओकुनीसब परमेश्वरमे विश्वास करेला लेकिन जब ओकुनीसब आत्मासंगे डरावेला आ परमेश्वरके सत्यसे भागेला ।

16. का अपनेके हृद्य अइसन पथरिली जइसन बा ?

- यिशु यि भि कहलन कि कउनो आदमीके हृदय काँटासे भरेवाला रहे ।

मर्कुस ४:१८-१९ पद पढलजाइ

अउर जउन खर पतवारमे बोअल गइलबा ऊ यि वचन ह जउन सुनन स अउर संसारके चिन्ता धनके धोखा अउर

चिजनके लालचसेके दवाबमे दवादेला अउर ऊ विना पयरके रहजालन स ।

17. खरपतवार भरेवाला हृदय कइसन बा ?

- यी अयसन हृदय बा जेकराके ना छिमलेला ।

18. अगर किसान अइसन जगामे बीज वोएला त ऊ फलेला ?

- ना ।

19. काहे ना फलेला ?

- काहेकि ऊ काटा ऊ बिरुवाके ढकदेला ।
- यिशु कहलन कुछ आदमीके हृदय अइसन जगा जइसन बा ।

20. कइसन आदमीसब अइसन जगा जइसन बा ?

- यी आदमीसब कहलन कि ओकुनीसब परमेश्वरमे विश्वास करेला लेकिन ओकुनीसबके इच्छासब परमेश्वरसे बहुत महत्वपूर्ण ठानेला ।
- यि आदमीसब कहेला कि ओकुनीसब परमेश्वरमे विश्वास करेला लेकिन बहुत धन कमावेलाके ज्यातदा महत्व दिवेला ।
- ऊ लोग कहलन कि ओकुनीसब परमेश्वरमे विश्वास करेला लेकिन बड्का घर बनवेला आ जनावरसबके मालिक बनेलाके ज्यादा महत्व देवेला ।

21. का अपनेके ह्रद्य अइसन खरपतवारभेरेवाला जइसन बा ?

- यिशु कहलन कि कउनो आदमीके ह्रदय अच्छा माटी जइसन बा ।

मर्कुस ४:२० पढलजाइ

अउर जउन निमन जमिनमे वोउलगइल ऊ यि ह के वचनके सुनके ग्रहण करेला अउर फर लियावेला जउन तीस गुणा साठ गुणा सौ गुणा

22. निमन जिमन कइसन बा ?

- यी माटी असल तरिकासे खनजोत करेवाला रहे ।

23. अगर कउनो किसान ऊ निमन जमिनमे बीज रोपेला त का ऊ फल दिवेला ?

- दिवेला ।

24. काहे ?

- काहेकि माटी अच्छा होवेला ।
- काहेकि माटी बहुत मिहिन होवेला ।
- काहेकि वहां कांटा ना होवेला ।
- काहेकि माटी अच्छा तरिकासे खनजोत करेला ।

25. कइसन आदमीसब असल माटी जइसन बा ?

- यी आदमीसब परमेश्वरके वचन सुनेला आ पूर्ण रूपसे सुनेला आ अउरो ज्यादा फल दिएला ।

- यि आदमीसबके आपन पापमे जनमलरहे कहके थाहा रहेला ।
- यी आदमीसबके ओकुनीसब पापके ज्याला मृत्यु बा कहके थाहा रहेला ।
- यी आदमीसबके केवल परमेश्वर सिर्फ ओकुनीसबके बचावेके सकिहन कहके थाहा रहेला ।
- यी आदमीसब उद्धारकर्ता यिशुमे विश्वास करेला ।
- यी आदमीस परमेश्वरके वचनमे विश्वास करेला आ अउरो ज्यादा फले दिएला ।
- का अपनेके हृद्य अच्छा माटी जइसन बा ?